

## विभाग : १ गद्य विभाग

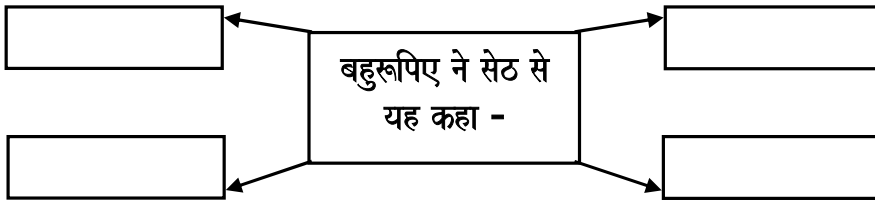
प्र.१)अ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियों कीजिए :-

“कसूर माफ करना सेठ जी, मैं वही कलवाला महात्मा हूँ। मैं साधु-वाधु कुछ नहीं, आपका सेवक बहुरूपिया हूँ। जब आप जैसे चतुर आदमी को मैंने धोखा दे दिया, तो मुझे अपनी कला का बहुत बड़ा इनाम मिलना चाहिए।” अपराधी भाव से बहुरूपिया सिर झुकाए खड़ा था।

सेठ आश्चर्य के मारे आसमान से गिरा। फिर सँभलकर बोला - “इनाम तो मैं तुझे दूँगा। सचमुच तूने अपने काम में कमाल कर दिया। लेकिन एक बात बता, कल जब मैं अपनी सारी संपत्ति तेरे पास ले आया था, तो तूने उसे क्यों नहीं स्वीकार किया? अगर तू उसे ले लेता, तो आज तू सेठ होता। तुझे इस तरह इनाम माँगने की जरूरत नहीं रहती?”

बहुरूपिया नम्रता से बोला - “सेठजी, यह बात मेरे मन में भी आई थी। इस समय सारी संपत्ति लेकर आज मैं कहीं का कहीं जा सकता था। फिर मेरे मन ने कहा कि यह गलत है। मैं संसारत्यागी महात्मा का रूप धारण किए हुए हूँ। अगर ऐसा काम करूँगा तो रूप में खोट आ जाएगी। रूप को सच्चा रखने के लिए यही उचित है कि मैं इस संपत्ति को त्याग दूँ। सो सच्चे महात्मा की तरह मैंने उसे त्याग दिया, तो लगा कि अब मेरा काम पूरा हो गया। अब आप जो इनाम मुझे देंगे, खुशी से ले लूँगा।”

(१) आकृति पूर्ण कीजिए :



२

(२) १) निम्नलिखित शब्दों को लिंग पहचानकर लिखिए :

१

१) इनाम

२) संपत्ति

२) गद्यांश में प्रयुक्त उर्दू शब्द लिखिए।

१

१) .....

२).....

(३) ‘कला के प्रति ईमानदारी ही सच्चे कलाकार की पहचान है’, इस सुवचन पर अपने विचार २५ से ३० शब्दों में लिखिए।

२

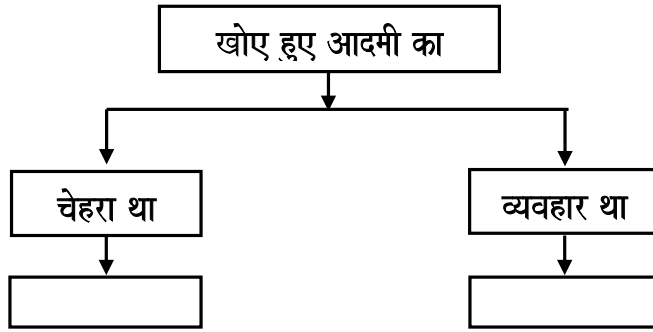
प्र.१)अ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए : -

शुरू-शुरू में कुछ लोग उसे प्रश्नवाचक निगाहों से देखते थे पर खोए हुए आदमी का चेहरा इतना विश्वसनीय और उसका व्यवहार इतना सरल और सहज था कि धीरे-धीरे उसके आलोचक भी उसके प्रशंसकों में बदल गए। लोगों को लगता था कि उसके पास कोई जादुई शक्ति है जिससे वह आसानी से समस्याओं के हल ढूँढ़ लेता है। हालाँकि खोए हुए आदमी ने हमेशा इस बात का खंडन किया। वह हर सफलता को गाँववालों के कठिन परिश्रम का परिणाम बताता था।

वह लोगों से कहता- “आप सबके पास भी वही शक्तियाँ हैं, खुद को पहचानो। अपनी ऊर्जा को रचनात्मक और सकारात्मक कामों में लगाओ। जुड़ो और जोड़ो।” इस तरह खोए हुए आदमी ने इलाके के लोगों में नया विश्वास भर दिया। लोगों में नया जोश, नया उत्साह आ गया।

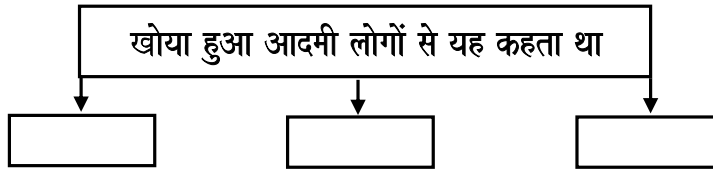
(१) आकृति पूर्ण कीजिए :

१.



१

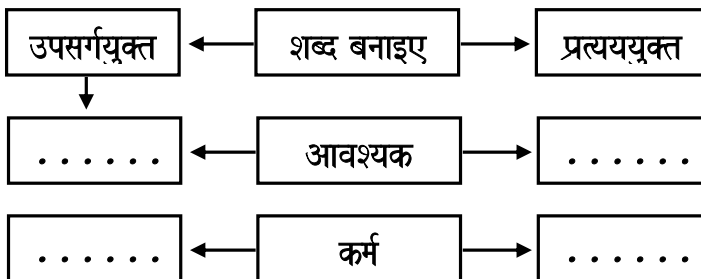
२.



१

(२) कृति कीजिए :

२



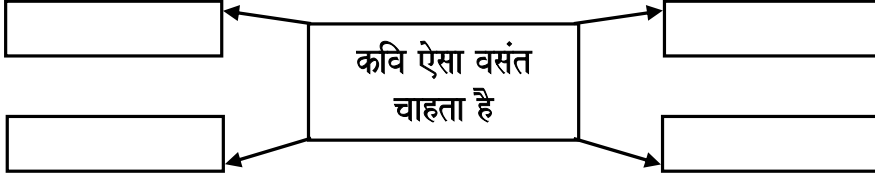
(३) 'मानवता ही सच्चा धर्म है' पर अपने विचार लिखिए |

२

विभाग : २ पद्य विभाग

प्र.२)अ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :-

(१) संजाल पूर्ण कीजिए :



(२) निम्नलिखित शब्द के पर्यायवाची शब्द लिखिए :

१) अधर → ..... २) आँखें → .....

ऐसा वसंत कब आएगा ?

जब मानवता के वन-उपवन का

हर प्रसून खिल पाएगा ?

ऐसा वसंत कब आएगा ?

लड़कर अभाव के पतझड़ से,

नव सर्जन रण में विजयी बन,

सुख-सुविधा रस के सम वितरण का

पा नवयौवनमय जीवन,

हर मनुज-कुसुम संतोषमयी

मुस्कान मधुर बरसाएगा

ऐसा वसंत कब आएगा ?

ऐसे वसंत कुछ चले गए,

प्रासादों ही का नहीं, कुटी का

आँगन भी तो है आँगन,

सुख-दुख पर होता है समान

हर मानव के उर में स्पंदन;

सबके प्राणों का पुलक बने,

ऐसा क्षण कौन बुलाएगा ?

ऐसा वसंत कब आएगा ?

कवि के मानस में स्वप्न बना

छाया था जो सीमित वसंत,

होगा जन-जन के जीवन में

साकार, विपुल जब वह अनंत,

जब मनुजों का जग, भू पर ही

अभिनव 'नंदन' बन जाएगा

ऐसा वसंत कब आएगा ?

सबका समान रवि है, शशि है,

सबका समान है मुक्त पवन;

सारे मानव यदि मानव हैं;

सबके समान हों भूमि-गगन

कब नवयुग ऐसी नव संस्कृति,

नव विश्व व्यवस्था लाएगा ?

ऐसा वसंत कब आएगा ?

सबको दे भोजन, वसन, भवन

जिससे जीवन में रस छाप,

खिल जाएँ अधर, हँस दें आँखें,

ऐसा वसंत जग में आए !

ऐसा वसंत तो ग्रीष्म-शिशिर

में भी वसंत कहलाएगा !

ऐसा वसंत कब आएगा ?

(३) अंतिम सात पंक्तियों का अर्थ लिखिए :

सबको दे ..... वसंत कब आएगा |

प्र.२)आ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :-

सोंधी-सोंधी-सी सुगंध, माटी से बोली,

बादल बरस गया, धरती ने आँखें खोलीं ।

चारों ओर हुई हरियाली कहे मयूरा,

सदियों का जो सपना है हो जाए पूरा ।

एक यहाँ पर नहीं अकेला, होगी टोली,

सोंधी-सोंधी-सी सुगंध, माटी से बोली ॥

बाग-बगीचे, ताल-तलैया सब मुस्काएँ,

झूम-झूमकर मस्ती में तरु गीत सुनाएँ ।

मस्त पवन ने अब खोली है अपनी झोली,

सोंधी-सोंधी-सी सुगंध, माटी से बोली ॥

(१) आकृति पूर्ण कीजिए :

१. 

मघों के बरसने से हुए परिवर्तन
-------------------------------

→ .....

→ .....

→ .....

→ .....

1

(२) पदयांश में आए हुए शब्द - युग्म की जोड़ियाँ ढूँढ़कर लिखिए |

१) ..... २) .....

1

(३) वर्षा ऋतु में प्रकृति में आए निखार के बारे में अपने विचार लिखिए |

२

विभाग ३ - भाषा अध्ययन (व्याकरण)

प्र.३) सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :-

(१) सही शब्द छँटकर लिखिए

१

१. मस्तिष्क ,मशतिष्क, मस्तीष्क,मसतिष्क ।

२. समुख ,सन्मुख ,सम्मुख , सममुख

(२) निम्नलिखित अव्ययों में से किसी एक अव्यय का अपने वाक्यमें प्रयोग कीजिए :

1

१) की ओर ।

२) जल्दी ।

(३) कृति पूर्ण कीजिए :

१

संधि शब्द	संधि - विच्छेद	भेद
.....	अंतः + चेतना	.....

(४) १. अधोरेखांकित वाक्यांश के लिए उचित मुहावरे का चयन करके वाक्य फिर से लिखिए :

१

(त्योरियों में बल पड़ना, बस चलना)

परीक्षा में नवीन को नकल करते देखकर शिक्षक बहुत क्रोधित हुए ।

अथवा

२. निम्नलिखित मुहावरों में से किसी एक मुहावरो का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए :

१) अंक में भरना ।

२) अपनी हाँके जाना ।

(५) निम्नलिखित वाक्य में से काल भेद पहचानिए तथा सूचनाओं के अनुसार काल परिवर्तन कीजिए:

२

१) बालिकाओं की दादी ने लेखिका को दिल्ली आने का निमंत्रण दिया था । काल भेद - .....

२) काल परिवर्तन । (सिर्फ एक)

१. बदबू के कारन जीना मुशिल है । (पूर्ण भूतकाल)

२. पानी के बारे में शिकायत आई है । (भविष्यकाल)

(६) वाक्य भेद पहचानकर लिखिए :

१. बाबू जी को बाजार जाना है और वहाँ से जलेबियाँ खरीदनी हैं। (रचना के अनुसार)

२. वाह ! अब से तुमको यहीं रहना होगा | (अर्थ के अनुसार)

२

विभाग ४ उपयोजित लेखन

प्र. ४अ) (१) निम्नलिखित जानकारी के आधार पर पत्र तैयार कीजिए :

४

पत्रलेखन:

निम्नलिखित जानकारी के आधार पर-पत्र लेखन कीजिए :

अपने विद्यालय की सैर का वर्णन करने वाला पत्र अपने मित्र/अपनी सहेली को लिखिए।

अथवा

८६८/१२, श्रीधरपुर, सांगली से मनोज /मनीषा अपने इलाके में फैली गंदगी की शिकायत करते हुए स्वास्थ्य अधिकारी, सांगली महानगरपालिका को पत्र लिखता /लिखती है

(२) विज्ञापन:

निम्नलिखित जानकारी के आधार लगभग ५० से ६० शब्दों में विज्ञापन तैयार कीजिए :

४

विद्यार्थियों का रियायती शुल्क पर कराटे सिखाने का विज्ञापन तैयार करें -

● स्थान ● शुल्क ● छूट ● समय ● आयुवर्ग का उल्लेख

अथवा

कहानी लेखन:

निम्नलिखित मुद्दों के आधार पर ६० से ७० शब्दों में कहानी लिखकर उसे उचित शीर्षक दीजिए तथा सीख लिखिए :

एक सुंदर वन - इंद्र का आगमन - वन का सौंदर्य देखना - एक सूखे पेड़ पर तोते को देखना - सवाल पूछना - तोते का जवाब - इंद्र का वरदान - पेड़ का हरा - भरा हो जाना - सीख।

प्र. ४) किसी एक विषय पर लगभग ७० से ८० शब्दों में निबंध लिखिए :।

४

१. पेड़ की आत्मकथा

२. समाचार पत्र

\*\*\* \_\_\_\_\_ \*\*\*